सीखने की राह खोलें...

बढ़ें, चलें...

हिंदी

10

राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्, केरल
2022

भूमिका

कोविड-19 महामारी के कारण स्कूलों के बंद होने से बच्चे असमान रूप से प्रभावित हुए क्योंकि महामारी के दौरान सभी बच्चों के पास सीखने के लिए ज़रूरी अवसर, साधन या पहुँच नहीं थी। शुरुआती चुनौतियों के बाद नवीनतम तकनीकियों का सहारा लेकर शिक्षा ज़ारी रखने का प्रयास शिक्षा विभाग की ओर से हुआ था। महामारी के दौरान ऑनलाइन शिक्षा पर अत्यधिक निर्भर होने में हम विवश भी थे। इसी वजह से छात्रों की शिक्षा में अस्थाई तौर पर व्यवधान उत्पन्न हुआ था। यह छात्रों की अधिगम उपलब्धियों में अंतराल उत्पन्न होने का कारण बन गया है।

हम निश्चित रूप से यह मानते आ रहे हैं कि शिक्षकों और छात्रों के बीच आमने-सामने की बातचीत के साथ-साथ कक्षा-कक्ष के भीतर और बाहर छात्रों के बीच आपस में स्वस्थ चर्चा अच्छी पढ़ाई का अभिन्न हिस्सा है। शिक्षण प्रक्रिया में ऑनलाइन शिक्षा मदद तो कर सकती है लेकिन कक्षाई प्रक्रियाओं की जगह नहीं ले सकती। सामाजिक और भावनात्मक पढ़ाई, जैसे- संवेदना, आदर, सहयोग और बातचीत, विवेचनात्मक और रचनात्मक सोच, बहुमुखी दृष्टिकोण आदि आमने-सामने की असली कक्षाई प्रक्रियाओं से ही संभव हैं। मात्रेतर भाषा हिंदी की शिक्षण-अधिगम प्रक्रियाओं में भी यह शत-प्रतिशत सही है। इस प्रकार की कक्षाई प्रक्रियाओं से वंचित रहने से बच्चों की भाषाई दक्षताओं एवं उसके प्रयोगों में अंतराल नज़र आ रहा है। विशेषकर बातचीत, डायरी लेखन, कविताओं का आशय लेखन, पत्र तैयार करना, लेख तैयार करना आदि में यह अंतराल अधिक मात्रा में मौजूद है। सीखने के इस अंतराल की भरपाई समय की माँग है।

ऐसे में अपने छात्रों को सामाजिक, भावनात्मक समर्थन प्रदान करने और भाषाई दक्षताओं में पीछे छूट जाने की जोखिम झेल रहे छात्रों को विशेष सहायता उपलब्ध कराने जैसी जवाबी कार्रवाई का पहल शिक्षा विभाग ले रहा है। कोविड महामारी से उत्पन्न सीखने के अंतराल से छात्रों को उबारने में, भाषाई दक्षताओं में हुए व्यवधान की भरपाई करने में शिक्षकों की भी अहम भूमिका है।

भरपाई की इस सामग्री में कक्षाई प्रक्रियाओं के कुछ नमूने मात्र हैं। उम्मीद है, अपनी कक्षा की माँग के अनुसार विविधतापूर्ण सामग्रियाँ शिक्षक स्वयं तैयार करेंगे और अधिगम उपलब्धियों की प्राप्ति में व्यवधान महसूस करनेवाले छात्रों की ज़रूरतों की पूर्ति करने में जागरूक रहेंगे। आशा है, यह सामग्री इस प्रक्रिया में शिक्षकों की मददगार रहेगी।

निदेशक

राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं
प्रशिक्षण परिषद्, केरल

बसंत मेरे गाँव का

अधिगम उपलब्धि : बातचीत तैयार करता है।

बच्चों को पाठ के एक अंश का सारांश वाचन करने को दें।

> उत्तराखंड का हिमालयी अंचल बहुत सुंदर है। यहाँ बसंत फूलदेई का त्यौहार लेकर आता है। यह बच्चों का त्यौहार है। बच्चे देर शाम तक फूल चुनते हैं। इन फूलों को रिंगाल से बनी खास तरह की टोकरियों में रखा जाता है। टोकरियों को रात भर पानी से भरे गागरों के ऊपर रखा जाता है ताकि फूल मुरझा न जाएँ। फिर बच्चे चुने गए फूलों से घरों की देहरियाँ सजाते हैं। घरवाले बच्चों को चावल, गुड़, दाल आदि देते हैं। दक्षिणा में मिली इन चीज़ों से बच्चे सामूहिक भोज बनाते हैं। बड़े लोग सलाह देते हैं।

वाचन करने का अवसर दें।

चर्चा चलाते हैं :

- बसंत किसका त्यौहार लेकर आता है?
- बच्चे कब तक फूल चुनते हैं?
- चुने गए फूलों को कहाँ रखते हैं?
- फूलों की टोकरियों को कहाँ रखते हैं?
- फूल मुरझा न जाएँ, इसके लिए क्या करते हैं?
- चुने गए फूलों से बच्चे क्या करते हैं?
- बच्चों को घरवाले क्या-क्या देते हैं?
- सामूहिक भोज बच्चे कैसे तैयार करते हैं?
- सामूहिक भोज में बड़ों की भूमिका क्या है?

वैयक्तिक रूप से बच्चे उत्तर देते हैं।

बच्चों को यह वर्कशीट दें :

आशय समझकर सही मिलान करें।	
फूलदेई का त्यौहार	रिंगाल से बनी टोकरियों में रखा जाता है।
फूलों को	सलाह देते हैं।
दक्षिणा में	घरों की देहरियाँ सजाते हैं।
बड़े लोग	चावल, गुड़, दाल आदि मिलते हैं।
बच्चे	बसंत में आता है।

वैयक्तिक रूप से सही मिलान करने का निर्देश दें और दो-चार की प्रस्तुति करवाएँ। दलों में आवश्यक मदद दें और परिमार्जन करवाएँ।

दलों की ओर से प्रस्तुतीकरण करवाएँ।

अध्यापक कहें :

केरल के कुछ छात्र एक बार उत्तराखंड गए। वहाँ के कुछ बच्चों से उनकी मुलाकात हुई। उनके बीच फूलदेई त्यौहार से संबंधित बातचीत हुई। उन्होंने आपस में क्या-क्या कहा होगा? कल्पना करके लिखें।

अब इस वर्कशीट की पूर्ति करें :

बच्चा 1 : अरे दोस्त! ये फूल क्यों चुनते हैं?

बच्चा 2: - - - - - - - - - - - - - -

बच्चा 1: देहरियाँ क्यों सजाते हैं?

बच्चा 2: अब यहाँ एक त्यौहार है।

बच्चा 1: त्यौहार? त्यौहार का नाम क्या है?

बच्चा 2: - - - - - - - - - - - - - -

देहरियाँ सजाने के लिए
फूलदेई का त्यौहार

गोल दायरे से वाक्यांश चुनकर वार्तालाप की पूर्ति करने का निर्देश दें।

एक और वर्कशीट दें :

बच्चा 1: फूलदेई किसका त्यौहार है?

बच्चा 2: .....।

बच्चा 1: इसमें बड़ों की क्या भूमिका है?

बच्चा 2: .....।

वे सलाह देते हैं।
बच्चों का त्यौहार

वार्तालाप के इन अंशों को मिलाकर पूर्ण रूप से तैयार करने का निर्देश दें।

चर्चा चलाएँ :

- किन-किन मुद्दों के आधार पर हम इसका चयन करेंगे?
- क्या आपकी बातचीत में स्वाभाविकता है?
- आपकी बातचीत प्रसंग के अनुकूल है?
- भाषा में स्वाभाविकता एवं संक्षिप्तता है?

चर्चा के दौरान बातचीत के मूल्यांकन संकेतों की धारणा दें।

प्रत्येक दल बेहतर उपज की प्रस्तुति करें।

ठाकुर का कुआँ

अधिगम उपलब्धि : कहानी पढ़कर चरित्रगत विशेषताओं पर टिप्पणी लिखता है।

गंगी 'ठाकुर का कुआँ' कहानी की नारी पात्र है। जातिगत भेदभाव से उसे गाँव के केवल एक ही कुएँ से पानी लेने का अधिकार था। उस दिन पानी में बदबू थी। गंदा पानी वह अपने पति जोखू को नहीं देती। गंगी ठाकुर के कुएँ से पानी लेना चाहती है। उसका पति उसे मना करता है। फिर भी उसे अपने पति से इतना प्रेम था कि वह रात को ही पानी लेने चली जाती है। वह अच्छी तरह से जानती थी कि ठाकुर के कुएँ से वह पानी नहीं ले सकती। सामाजिक असमानता से गंगी दुखी है। ठाकुर के व्यवहार से उसके मन में विद्रोह आता है। वह सदा कहती है कि ये लोग क्यों ऊँच हैं, हम क्यों नीच?

छात्रों को वैयक्तिक रूप से पढ़ने का निर्देश दें।

अध्यापक कुछ प्रश्न पूछते हैं :

- कहानी की नारी पात्र कौन है?
- गाँव के कितने कुओं से गंगी को पानी लेने का अधिकार है?
- गाँव के अन्य कुओं से गंगी पानी क्यों नहीं ले सकती?
- उसने अपने पति को गंदा पानी पीने दिया या नहीं?
- क्या वह ठाकुर के कुएँ से पानी ले सकी?
- गंगी का मन सामाजिक असमानता के विरुद्ध विद्रोह करता है। क्यों?
- क्या वह कर्तव्यपरायण है?

अब यह वर्कशीट प्रस्तुत करें।

सही प्रस्ताव चुनकर लिखें :

1. गंगी 'ठाकुर का कुआँ' कहानी की नारीपात्र है।
2. वह कर्तव्यपरायण नहीं है।
3. ठाकुर के व्यवहार से गंगी दुखी है।
4. वह अपने पति को गंदा पानी न देती है।
5. समाज के अन्याय पर गंगी का मन विद्रोह करता है।
6. ठाकुर के कुएँ से पानी लेने के लिए गंगी निकलती है।
7. ठाकुर के कुएँ से उसे पानी मिलता है।

वैयक्तिक रूप से सही प्रस्ताव चुनकर लिखने का निर्देश दें।

गलत प्रस्तावों को ठीक करके लिखने का निर्देश दें और दलों द्वारा प्रस्तुतीकरण करवाएँ।

आवश्यक है तो अध्यापक का प्रस्तुतीकरण भी हो।

1. गंगी 'ठाकुर का कुआँ' कहानी की नारीपात्र है।
2. वह कर्तव्यपरायण है।
3. ठाकुर के व्यवहार से गंगी दुखी है।
4. वह अपने पति को गंदा पानी न देती है।
5. समाज के अन्याय पर गंगी का मन विद्रोह करता है।
6. ठाकुर के कुएँ से पानी लेने के लिए निकलती है।
7. ठाकुर के कुएँ से उसे पानी नहीं मिलता है।

अध्यापक कहें :

- अब आपने गंगी के चरित्र के बारे में कुछ समझ लिया है न?
- गंगी के चरित्र की क्या-क्या विशेषताएँ हैं?
- क्या उसे अपने पति से प्रेम है?
- गंगी रात को पानी लेने क्यों जाती है?
- उसका पति जोखू उसे ठाकुर के यहाँ जाने से क्यों मना करता है?
- क्या गंगी सामाजिक असमानता का शिकार बनती है?
- क्या गंगी के मन में सामाजिक अन्याय के विरुद्ध विद्रोह की भावना है?

प्रश्नों के उत्तर वैयक्तिक रूप से प्रस्तुत करने का अवसर दें।
उत्तरों को जोड़कर गंगी की चरित्रगत विशेषताएँ टिप्पणी के रूप में लिखें।
दल में परिमार्जन करें और दलों का प्रस्तुतीकरण भी हो जाए। टिप्पणी के लिए उचित शीर्षक भी दें।

बीरबहूटी

अधिगम उपलब्धि : कहानी पढ़कर पटकथा का दृश्य लिखता है।

बीरबहूटी कहानी का सारांश पढ़ने को दें।

> साहिल और बेला पाँचवीं कक्षा के बच्चे थे। दोनों में गहरी देस्ती थी। स्कूल में दोनों हमेशा एक साथ थे। दोनों वर्दी पहनकर जल्दी स्कूल के लिए निकलते थे। क्योंकि उन्हें रास्ते के खेतों में बीरबहूटियों को खोजना था। वहाँ से दोनों पैन में स्याही भरवाने के लिए दुकान गए। दुकानदार ने कहा कि स्याही की बोतल अभी-अभी खाली हो गई है। उनका स्कूल पाँचवीं तक था। जब रिज़ल्ट आया तब रिपोर्ट कार्ड के लिए दोनों स्कूल गए। वह उनकी आखिरी मुलाकात थी। दोनों बहुत दुखी थे। क्योंकि आगे की पढ़ाई के लिए उनको अलग-अलग स्कूलों में जाना था।

पढ़ने का अवसर दें।

फिर ये प्रश्न करें।

- इस कहानी के मुख्य पात्र कौन-कौन हैं?
- उनकी आयु कितनी है?
- वे किस दर्जे में पढ़ते हैं?
- उनकी वेश-भूषा कैसी है?
- वे कहाँ बीरबहूटियाँ खोजते थे?
- वे क्यों दुकान गए?
- दुकानदार ने क्या बताया?
- रिज़ल्ट आने पर दोनों क्यों दुखी हुए?

पूछें... इस कहानी के मुख्य प्रसंग क्या-क्या हैं?

छात्रों को स्वतंत्र प्रतिक्रिया का अवसर दें।

फिर एक-एक करके पूछें और श्यामपट या चार्ट पर लिखें।

- साहिल और बेला का बीरबहूटियाँ खोजना।
- पैन में स्याही भरने जाना।
- रिपोर्टकार्ड लेने जाना।

.....

एक प्रसंग श्यामपट या चार्ट पर लिखें।

साहिल और बेला का बीरबहूटियाँ खोजना।

इस प्रसंग का वाचन करने का निर्देश दें।

चर्चा चलाएँ... कहें... सही पर सही का चिह्न लगाएँ।

- साहिल और बेला खेलने के लिए घर से जल्दी निकले। ☐
- साहिल और बेला बीरबहूटियाँ खोजने के लिए घर से जल्दी निकले। ☐

यहाँ किस समय की सूचना दी गई है?

- सबेरे की। ☐
- शाम की। ☐

यहाँ स्थान कहाँ है?

- स्कूल का आँगन। ☐
- रास्ते से सटे खेत ☐

पात्रों की वेश-भूषा कैसी है?

- मामूली कपड़ा। ☐
- स्कूली वर्दी। ☐

यदि हमें प्रत्येक प्रसंग का अभिनय या फिल्मांकन करना है तो पहले क्या तैयारी करनी है?

छात्रों की स्वतंत्र प्रतिक्रिया का अवसर दें।

कहें,

> हमें प्रत्येक प्रसंग की अथवा दृश्य की पटकथा तैयार करनी है।
> यहाँ पहला प्रसंग क्या है?

साहिल और बेला बीरबहूटियाँ खोजने के लिए घर से जल्दी निकले।

फिर पूछें.

- स्थान कहाँ है?
- पात्र कौन-कौन हैं?
- पात्रों की वेश-भूषा कैसी है?
- पात्रों की आयु कितनी है?
- दोनों के बीच क्या-क्या बातें हुई होंगी?

अध्यापक कहें,

ये सारी बातें पटकथा के अंतर्गत आनी चाहिए।

इन सब को ध्यान में रखकर पटकथा का एक दृश्य लिखें।

पहले वैयक्तिक रूप में लिखने का अवसर दें।

- दो-चार की प्रस्तुति।
- दल में परिमार्जन।
- दलों की प्रस्तुति।
- संशोधन।

आई एम कलाम के बहाने

अधिगम उपलब्धि : फ़िल्मी लेख पढ़कर डायरी लिखता है।

यह अनुच्छेद छात्रों को पढ़ने दें :

> 'आई एम कलाम' फिल्म के पात्र हैं- कलाम और रणविजय। कलाम चाय की दुकान में काम करता है। रणविजय राणा सा का बेटा है। रणविजय स्कूल जाना पसंद नहीं करता है। लेकिन कलाम पढ़ना चाहता है। रणविजय के स्कूल में भाषण प्रतियोगिता है। रणविजय की हिंदी अच्छी नहीं। इसलिए कलाम उसे एक भाषण लिख देता है। रणविजय वह भाषण स्कूल में प्रस्तुत करता है और विजय प्राप्त करता है। उसे पुरस्कार मिलता है।

अनुच्छेद का आशयग्रहण सुनिश्चित करने के लिए चर्चा चलाएँ :

- यहाँ किस फिल्म के बारे में कहा गया है?
- फिल्म के पात्र कौन-कौन हैं?
- कलाम का काम क्या है?
- रणविजय को कौन-सी बात पंसंद नहीं है?
- स्कूल में कौन-सी प्रतियोगिता थी?
- भाषण कौन लिखता है?
- प्रतियोगिता में कौन भाषण देता है?
- भाषण प्रतियोगिता में पुरस्कार मिलने पर रणविजय ने क्या-क्या सोचा होगा?

अब वर्कशीट की पूर्ति करने को दें :

इन वाक्यों में से प्रत्येक पात्र की सोच चुनें और पदसूर्य की पूर्ति करें :

- मेरी हिंदी अच्छी नहीं है।
- मुझे आज स्कूल में भाषण प्रतियोगिता थी।
- कल स्कूल से आने पर रणविजय बहुत उदास था।
- उसकी हिंदी अच्छी नहीं है।
- यह पुरस्कार मेरा नहीं, उसका है।
- उसके स्कूल में भाषण प्रतियोगिता है।
- वाह! मेरे दोस्त को पुरस्कार मिला।
- उससे मैं कैसे शुक्रिया अदा करूँ।
- आज उसने भाषण प्रस्तुत किया।
- कितना अच्छा होता अगर मैं भी उसके साथ स्कूल जा सकूँ!

- उसके कारण आज मुझे प्रशंसा मिली।
- मैंने उसे एक भाषण लिख दिया।

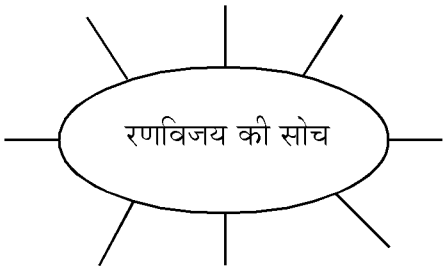

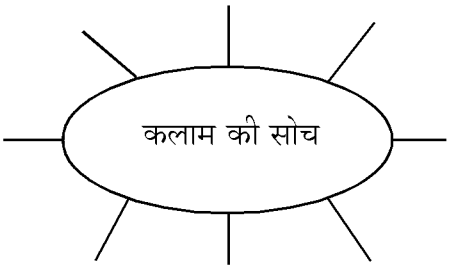

वैयक्तिक रूप से वर्कशीट की पूर्ति करवाएँ।
चुनिंदे छात्रों की प्रस्तुति हो।
दल में चर्चा करके परिमार्जन करने का मौका दें।

अब रणविजय की डायरी का यह अंश पढ़ने को दें :

20 नवंबर 2022
रविवार
आज स्कूल में भाषण प्रतियोगिता थी। मेरी हिंदी अच्छी नहीं है। कलाम ने मुझे भाषण लिख दिया। मुझे पुरस्कार मिला। यह पुरस्कार मेरा नहीं, उसका है। उसके कारण आज मुझे प्रशंसा मिली। उससे मैं कैसे शुक्रिया अदा करूँ।

अब रणविजय की डायरी को आधार बनाकर चर्चा चलाएँ :

- रणविजय की सोच क्या-क्या हैं?
- उसकी सोच में कौन-कौन सी घटनाओं का उल्लेख है?
- इन वाक्यों में 'रणविजय' के स्थान पर किन-किन शब्दों (सर्वनामों) का प्रयोग किया गया है?
- इन वाक्यों में कौन-कौन-सी क्रियाओं का प्रयोग है?
- ये क्रियाएँ किस काल का संकेत देती हैं?
- इनमें कौन-से वाक्य आपको बहुत विशेष लगे?
- तो डायरी लिखते समय किन-किन बातों पर ध्यान देना है?

चर्चा के दौरान संक्षिप्तीकरण करें।
अब इसी प्रसंग पर कलाम की डायरी लिखने को कहें।
इसके लिए कलाम की सोच पर एक बार और ध्यान आकर्षित करें।
छात्र वैयक्तिक रूप से लिखें।
चुनिंदे छात्र प्रस्तुत करें।

दलों में परिमार्जन का अवसर दें।
दलों की प्रस्तुति हो जाए।

ध्यान दें :

डायरी में मुख्य घटनाओं का उल्लेख हो।
घटनाओं पर लिखनेवाले के भाव एवं विचार भी व्यक्त हों।
मैं, मेरा, मुझे जैसे सर्वनामों का प्रयोग हो।
क्रियाएँ ज़्यादातर भूतकाल में हों।
दिलचस्प शब्द या प्रयोग भी हों।
तारीख, दिन आदि भी लिखें।